

६. ऐसा भी होता है

(पठनार्थ)

- अभिषेक जैन

परिचय

जन्म : १९७९, गिरिडीह (झारखंड)

परिचय : अभिषेक जैन जी ने कविता, कहानी, निबंध आदि विविध विधाओं में लेखन किया है। अनुभवों पर आधारित आपकी रचनाएँ विविध पत्र-पत्रिकाओं में नियमित छपती रहती हैं।

पद्य संबंधी

हाइकु : मूलतः जापान की लोकप्रिय विधा है। इसे विश्व की सबसे छोटी कविता कहा जाता है। पाँचवें दशक से हिंदी साहित्य ने खुले मन से हाइकु को स्वीकार किया है। हाइकु कविता ५+७+५=१७ वर्ण के ढाँचे में लिखी जाती है।

प्रस्तुत विभिन्न हाइकुओं के माध्यम से कवि ने गरीबी, थकान, वृक्षों के कटने के दुष्परिणाम, अनावश्यक अहं, वृद्धाश्रम के दर्द, संस्कारों के अभाव आदि विविध विषयों पर प्रकाश डाला है।



गरजे मेघ
सहमकर काँपी
कच्ची दीवार।

रवि चढ़ाए
निर्मल किरणों से
धरा को अर्घ्य।

आ के पसरी
थकी हारी किरण
धरा की गोद।

खुली आँखों ने
जीवन भर देखे
बंद सपने।

कटते तरु
उजड़ा आशियाना
रोए पखेरू।

बच्चे पतंग
माँ-बाप थामें डोर
छूते गगन।

तन माटी का
फिर कैसा गुमान
कद काठी का।

उड़ा पखेरू
देखता रह गया
ठगा-सा तरु।

डाकिया चला
बाँटने सुख-दुख
भर के झोला।

मैया की आई
वृद्धाश्रम से चिट्ठी
कैसे हो बेटा।

हो गई चोरी
संस्कारों की तिजोरी
लुट गया मैं।



शब्द संसार

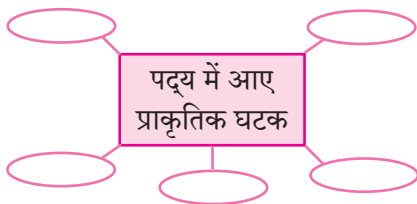
तरु पुं.सं.(सं.)= वृक्ष, पेड़
आशियाना पुं.सं.(फा.)= घोंसला

पखेरू पुं.सं.(सं.) = पंछी, पक्षी
गुमान पुं.सं.(फा.)= अभिमान, गर्व,
घमंड

स्वाध्याय

सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

(१) कृति पूर्ण कीजिए -



(२) उचित शब्द लिखिए :

१. सहमकर काँपने वाली -
२. घोंसला उजड़ने पर रोने वाला -
३. सुख-दुख बाँटने वाला -
४. वृद्धाश्रम से चिट्ठी भेजने वाली -

(३) 'किरण' शब्द की दो विशेषताएँ :



भाषा बिंदु

आकृति में दिए गए वाक्य का काल पहचानकर निर्देशानुसार काल परिवर्तन कीजिए :

गाँव वाले भी खूब परिश्रम कर रहे थे। ---- काल

सामान्य वर्तमानकाल [-----]

अपूर्ण भविष्यकाल

सामान्य भविष्यकाल [-----], [-----]

पूर्ण वर्तमानकाल [-----]

सामान्य भूतकाल [-----]

पूर्ण भविष्यकाल

अपूर्ण वर्तमानकाल [-----]

[-----]

पूर्ण भूतकाल

[-----]



उपयोजित लेखन

‘मेरा प्रिय त्योहार’ विषय पर अस्सी से सौ शब्दों में निबंध लिखिए।



CHZPRP